जनता पार्टी टूट गई? सब से बड़ी बात तो यह उठती है, हम नहीं कहते आप बहुत बुरे हैं लेकिन क्या यह सच नहीं है, राष्ट्रपति महोदय के भाषण में लिखा हुआ है।

"प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित महसूस करने और भयमुक्त रहने का अधिकार है। आज आम आदमी पर जो आतंकवाद, तोड़-फोड़ और विद्रोही गतिविधियों का खतरा छाया हुआ है, सरकार उसका मुकाबला करने का प्रयास करेगी।"

"भयमुक्त", क्या 6 दिसम्बर, 1992 की घटना के बाद हिंदुस्तान की 20 करोड़ आबादी भयमुक्त है। आपको देखकर दहशत का माहौल उसके मन पर नहीं छा जाता। विश्वास मत प्राप्त करने के बाद जो उंगली तस्वीर में "वी" बनाती आई है, बाबरी मस्जिद के गिरने के बाद भी वही उंगली विक्ट्री की तस्वीर बनाकर फोटो में आई है। हमको भयमुक्त बनाने के लिए कलम से लिख दिया जाए, एक ढिंढोरा पीट दिया जाए और पूरी की पूरी आबादी, 20-25-30 करोड़ की अल्पसंख्यकों की आबादी भयमुक्त बनी रहे — क्या राष्ट्र तरक्की कर सकता है? हमारे मुल्क की आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा आज दहशत के वातावरण से गुजर रहा है। हम सोचते थे कि जब भयमुक्त समाज की बात, एक व्यक्ति की बात आप कर रहे हैं तो उस समाज की भी भयमुक्ति के बारे में कोई गारंटी देंगे। हम नहीं चाहते कि कोई अनहोनी घटना ये कर दें। लेकिन गारंटी देने के लिए एक कदम उठाना पड़ेगा सरकार में रहने के नाते। हमको अच्छी तरह से याद है उस समय दिल्ली की सरकार में नरसिंह राव जी थे। जिस दिन यह घटना हुई थी उसी दिन मैंने इलाहाबाद से बयान दिया कि जो कुछ जैसे था पलटन लगाकर उसी तरह से उसको खड़ा कर दिया जाए। हमको बहुत से कट्टर हिंदुओं ने गाली दी थी उपसभाध्यक्षजी। लेकिन थोड़े दिनों के बाद यहां प्रधान मंत्री ने कहा कि विध्वंस का जवाब निर्माण हुआ करता है तो मेरे जैसे आदमी को जो कांग्रेसी कभी नहीं रहा, तसल्ली हुई कि शायद कोई काम बढ़ेगा। बहुत दिनों तक इंतजार किया गया लेकिन वह नहीं हो सका।

6 दिसम्बर को "वी" का निशान बनाने वाली उंगली आज सत्ता में आने के बाद "वी" का निशान बना रही है। भयमुक्त समाज बनाने के लिए 6 दिसम्बर के पहले जो कुछ भी अयोध्या में था वैसा खड़ा करने का एक बार आश्वासन दे दें तो अल्पसंख्यक उनके ऊपर झूम उठेगा और उनके मन की दहशत खत्म हो जाएगी। कहीं न कहीं तो कोई कदम उठाना होगा। एक तरफ हम बोलेंगे भयमुक्त समाज — यह तो मजबूरी का मसविदा है, इसको मैं नहीं मानता हूं कि कोई बहुत बड़ा सेक्रेड दस्तावेज है। लेकिन चुनाव से पहले जो जहर उगला गया, जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया, चुनाव घोषणा पत्र में जो भाषा बोली गयी.....

श्री एस०एस० अहलुवालिया: एक मिनट उपसभाध्यक्षजी, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसी): प्वाइंट आफ आर्डर इसमें नहीं है।

RE. REPORTED MURDER OF TRIPURA HEALTH MINISTER AND HIS FAMILY

SHRI S.S. AHLUWALIA (Bihar): Sir, the point which I want to make is very important. I want to know from the Government whether it has any information, about the killing of Tripura Health Minister by the extremists? If they have got the information they should come with a statement before the House. The Health Minister and his entire family members were killed by the extremists in Tripura when he was going to attend a meeting in Kamalpur this morning. He was killed this morning. Now, you can understand the activities of terrorism in the border areas and in the State of Tripura. What is the state of law and order there? When a Minister has been killed, how can you think that the life of the common man is safe in the hands of Tripura Government? What action are you going to take in this regard?; What information have you got? Will the Government come out with a statement before the House rises today? Please direct the Government, Sir. It is a very important matter ...(*Interruptions*)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): आप तो अभी उनको बोल रहे हैं। उनको एसरटेन करना पड़ेगा। मैं वैसे कैसे उनको बोल दूं।

SHRI. S.S. AHLUWALLA: The Health Minister of Tripura has been killed. It is a matter of concern. There is nobody to raise this point. ...(*Interruptions*)...

Sir please direct the Government. It is a very important matter. The Health Minister was killed. He was gunned

down. That is a matter of concern. There is nobody from my Party from Tripura who will raise this voice. This is a Council of States. We want to know what is happening in Tripura.

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): अभी तो आप बोले हैं। ...**(व्यवधान)**. आप तो बोले है। ...**(व्यवधान)**

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: जी बताइये, करिए कुछ। ...**(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): What more can be say?

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): अभी तो मंत्री जी बोल दिए, इससे ज्यादा यह क्या कह सकते हैं। ...**(व्यवधान)**

SHRI. S.S. AHLUWALLA: He is talking in a legal language. We want a political answer, an assurance to the House whether he will come out with a statement or not. Sir, I want your protection.

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): मंत्री जी तो खुद बोले रहे हैं। ...**(व्यवधान)** आपकी बात तो मैंने सुनी है। ...**(व्यवधान)** मंत्री जी खुद बोले हैं। उसको आप बोलते है कि टैक्नीकल है, पोलिटीकल लैग्वेज़ है। यह क्या तरीका है। मंत्री जी तो बोल दिए हैं। ...**(व्यवधान)**

श्री ईंश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश): आप सरकार को निर्देश दे दें। ...**(व्यवधान)** सरकार इस पर बयान दे।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): मंत्री जी खुद बोल दिए है। ...**(व्यवधान)**

कुमारी सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र): आप निर्देश दीजिए। ...**(व्यवधान)**

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वदी (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, त्रिपुरा में ...**(व्यवधान)** यह तो लॉ एंड आर्डर का सवाल है त्रिपुरा में एक चुनी हुई सरकार है। वह सरकार से वहां सरकार से वहां की वस्तुस्थिति के बारे में पता लगायेगी और अहलुवालिया साहब को अवश्य बतायेगी। ...**(व्यवधान)**

SHRI. S.S. AHLUWALLA: Terrorism is controlled by the Central Government. It is Home Ministry's Department. I want specific information from the Home Ministry as to what is happening in Tripura.

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): सुनिए-सुनिए आप बैठिए। मै बोल रहा हूं। ...**(व्यवधान)**.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वदी: वस्तुस्थिति बताई जायेगी। ...**(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): आप थोड़ा बैठिए ...**(व्यवधान)** प्लीज़ वेट कीजिए। ...**(व्यवधान)** आप थोड़ा वेट लीजिए। ...**(व्यवधान)** हमारे को मालूम हो गया। ...**(व्यवधान)** प्लीज़, मेरे को मालूम पड़ गया। आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**

श्री वसीम अहमद (उत्तर प्रदेश): मालूम होने की बात नहीं है। ...**(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): मेंबर बोलने के बाद ...**(व्यवधान)** मैं आपको बोल रहा हूं। ...**(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद आजम खान (उत्तर प्रदेश): आपकी चेयर से आदेश होना चाहिए। ...**(व्यवधान)**.

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): सुनिए ...**(व्यवधान)** आप खड़े क्यों हो रहे है, आप एक मिनट बैठिए। ...**(व्यवधान)** मिश्र जी, आप जरा एक मिनट बैठेंगे। ...**(व्यवधान)** आप बैठिए में बोल रहा हूं। मैं आपकी बात समझ गया। ...**(व्यवधान)** प्लीज़ टेक यूअर सीट। ...**(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद आजम खान: दोनों चीज़ों में फर्क है। ...**(व्यवधान)**.

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): मैं आपकी बात समझ गया। ...**(व्यवधान)**

कुमारी सरोज खापर्डे: आप रूलिंग दीजिए। ...**(व्यवधान)**.

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): मैं बोल रहा हूं आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वदी: मैं जानता हूं आप निर्देश वही देंगे जो संविधान के नियमों के अनुकूल होगा।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): नेचुरली-नेचुरली। ...(**व्यवधान**) मैं बोलता हूं ...(**व्यवधान**) आपकी एंग्जाइटी हम समझ गए। ...(**व्यवधान**) मैं समझ गया, मेरे को मालूम हो गया। ...(**व्यवधान**)

श्री वसीम अहमद: हमें यह कहना है कि अभी मिनिस्टर साहब ने एक स्टेटमैंट दिया और ...(**व्यवधान**).

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): फिर आप क्यों बोलते हैं। ...(**व्यवधान**) प्लीज़, टेक और यूअर सीट। आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)

श्री वसीम अहमद: मैं यही कह रहा हूं। ...(**व्यवधान**).

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): आप बैठिए, आप क्यों खड़े हो जाते हैं। ...(**व्यवधान**)

SHRI. S.S. AHLUWALLA: What do you mean "We will look into the matter" Today, before we rise the statement should come. Terrorism is controlled by the Central Government. Either you have to assure this House that you will come forward with a statment or you forget about it. You are running the Central Government.

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): आप क्यों बात करते हैं। ...(**व्यवधान**) आप बैठिए। प्लीज़, टेक यूअर सीट ...(**व्यवधान**) मालूम करेंगे उसके बाद बतायेंगे। ...(**व्यवधान**)

श्री वसीम अहमद: सात बजे में पहले हाउस को मालूम होना चाहिए। ...(**व्यवधान**)

SHRI NILOTPAL BASSU (West Bengal): We want a reply to this question. Whether the security which was there in Tripura is withdrawn and when it will be restored because, otherwise, there will be repetition of such incidents.

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): आप बैठिए। आप बोल रहे हैं। फिर उसी प्वायंट को कितनी बार बोलेंगे। ...(**व्यवधान**) नहीं नहीं, अहलुवालिया जी ...(**व्यवधान**)

SHRI. S.S. AHLUWALLA: It is a terrorist area. It is the responsibility of the Law Minister to come to the House and make a statement.

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): आप बैठिए आप कितनी बार उसी प्वायंट को बोलते रहेंगे। आप बैठिए। ...(**व्यवधान**) आप बैठिए, मैं बोलूंगा। क्या आप उसी प्वायंट को बोलते रहेंगे? ....(**व्यवधान**) मैं बोल रहा हूं प्लीज, टेक यूअर सीट। ...(**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद आजम खान: हाउस की फीलिंग के खिलाफ ...(**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): I will allow one by one.

आप बोल दिए ...(**व्यवधान**) आप बैठिए, तभी मैं बोलूंगा। ...(**व्यवधान**) आप सब लोग खड़े होंगे तो मैं कैसे बोलूंगा ...(**व्यवधान**) पांच आदमी खड़े हुए हैं, मैं कैसे बोलूंगा। ...(**व्यवधान**)

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: आप डायरेक्शन दीजिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATHAN BISI): Please do not repeat those things. That I know. I have heard you. (*Interruptions*)

मैं यह बताना चाहता हीं कि आप के बोलने के बाद मैं ने मंत्री जी को नहीं बोला, लेकिन मंत्री जी स्वयं खड़े हो गए। ...(**व्यवधान**)... आप हमारी बात नहीं सुनेंगे हमारी बात नहीं सुनेंगे ...(**व्यवधान**)... अरे आप क्यों खड़े हो जाते हैं। प्लीज डांड स्टेंड अप।...(**व्यवधान**)... आप बैठिए न, आप बैठिए न। अहलुवालिया जी, लीज बैठिए। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए न भाई। ...(**व्यवधान**)... मैडम, आप बैठिए। आप क्यों खड़े हो गए हैं?

SHRI S.S. AHLUWALIA: He says that he would look into this. What kind of a reply is this? (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATHAN BISI): I am controlling. (*Interruptions*) I am controlling. Please help me. (*Interruptions*)

मैं कंट्रोल कर रहा हूं, मेरी हैल्प कीजिए। Mr. Wasim Ahmed, please take your seat. (*Interruptions*) 'Mr. Ahluwalia, please take your seat. (*Interruptions*)

आप लोग जो बात बोलते हैं, उस का रिप्लाइ पाने के पहले दो-चार मेंबर खड़े हो जाते हैं। किस को मना करूंगा मैं? ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: जब सदन चल रहा है, वह तो खुद ही आना चाहिए...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): आप को हम अलाउ करेंगे। आप को हम अलाउ करेंगे। अहलुवालिया जी, आप को हम अलाउ करेंगे।

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: आप आदेश दीजिए सरकार को।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Don't give such directions. You submit your own thing. (*Interruptions*) Don't repeat those things. (*Interruptions*)

बैठिए न, मैं कह रहा हूं, आप बैठिए प्लीज। मेरे कहने का मतलब यह है कि जब कोई मेंबर बोलता है तो उस के बाद कोई सडनली खड़ा होकर नहीं बोलना चाहिए।

मैं हर आदमी को चांस देना चाहता हूं। आप भी उसी सब्जैक्ट पर बोलना चाहते हैं। आप शार्ट में बोलिए क्योंकि हमारा दूसरा एजेंडा चला जा रहा है।

श्री मोहम्मद आजम खान: सर, मेरा कहना यह है कि अहलुवालिया जी ने एक बहुत गंभीर समस्या रखी है

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): वह तो हम समझ गए।

श्री मोहम्मद आजम खान: उपसभाध्यक्ष आप ने मुझे बोलने की इजाजत दी है तो मैं बोलूंगा या आप बोलेंगे? मैं बोलूगां तो आप सुनेंगे जब आप ने इजाजत दी है। अहलुवालिया जी ने एक बहुत गंभीर मामला रखा और यह चाहा आप की पीठ से कि आप निर्देशित करें सरकार को कि सदन उठने से पहले वह इस पर पूरी रिपोर्ट रखें। आप ने यह फरमाया कि मंत्री जी ने जवाब दिया इन दोनों बातों में फर्क है। अहलुवालिया जी के द्वारा समस्या रखने के बाद मंत्री जी का जवाब ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): प्रोसीजर की बात मत लाइए। आप अपनी बात बोलिए, प्रोसीजर के बारे में मत बोलिए आप को जो कहना है, वह कहिए।

श्री मोहम्मद आजम खान: मेरा कहना यह है कि आप की ओर से यह निर्देश होना चाहिए कि सदन उठने से पहले सरकार इस पर वक्तव्य दें।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): ठीक है।

श्री नीलोत्पल बसु: सर, हमारा बार-बार यही कहना है कि त्रिपुरा के संदर्भ में जब भी बार-बार हाऊस में चर्चा हुई है, हम ने यह सवाल उठाया है कि यह बार्डर स्टेट है, सेंसिटिव स्टेट है और राज्य सरकार अपने बलबूते पर वहां जिस किस्म की खतरनाक स्थिति है, उस का मुकाबला नहीं किया जा सकता है। उस के लिए ज्यादा-से-ज्यादा पैमाने पर पैरा-मिलिटरी फोर्स होनी चाहिए। उपसभाध्यक्ष महोदय, स्थिति यह है कि चुनाव के दौरान जो सेक्युरिटी एरेंजमेंट्स वहां थे, उस को वापिस ले लिया गया और उसी का दुखद परिणाम यह घटना है। तो इन सारे पहलुओं पर रोशनी डालते हुए सरकार का बयान आना चाहिए और आप की ओर से यह निर्देश सरकार को होना चाहिए कि जल्द-से-जल्द वह अपना बयान यहां रखे।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): थैंक्यू।

श्री बसीम अहमद: वाइस-चेयरमैन साहब, हम सब आप का बहुत अदब करते हैं और यह जरूरी नहीं है कि हम जो कहना चाहते हैं आप उस को फौरन समझ जाएं।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: बड़ी गूढ़ बातें कहते हैं।

श्री वसीम अहमद: दूसरी चीज, उपसभाध्यक्ष जी, अभी जो बात अहलुवालिया जी और हमारे दूसरे साथियों ने यहां रखी यह बहुत गंभीर मामला है और आज सवेरे मर्डर हुआ है, टेरेरिस्ट्स ने मारा है, तो उस पर सरकार आज नहीं तो कब देगी वक्तव्य? हमारा सिर्फ यही कहना है कि हाऊस उठने से पहले सरकार की तरफ से एक वक्तव्य आना चाहिए कि क्या वजह थी, क्यों मारा गया, यह टेरेरिज्म कब तक चलेगा और इस के लिए कौन-कौन लोग जिम्मेदार हैं?

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा। सभी माननीय सदस्यों ने अनुरोध किया है। यह जिस तरह की घटना हुई है, अत्यन्त दुखद घटना है। मैं इसके विस्तार में नहीं जा रहा हूं। मैंने भी अनुरोध किया, सभी माननीय सदस्यों ने अनुरोध किया है कि आप सरकार को निर्देशित करें। मुझे तो तरह आ रहा है इस सरकार पर, तीन कैबिनेट मंत्री बैठे हुए हैं, इन्होंने इतनी भी संवेदना प्रकट नहीं की अहलुवालिया जी ने जो सूचना दी है उस पर यह दुखी है। हमको तो यह संवेदनहीन सरकार लगती है। इनको संवेदना प्रकट करनी चाहिए थी और यह स्पष्ट कहना चाहिए था कि इस पर तुरन्त पता लगाकर सदन के अंदर इस पर बयान देंगे और इस संबंध में जो भी शांति-व्यवस्था स्थापित करने के लिए आवश्यक होगा

उस सरकार से कंटेक्ट कर कार्यवाही करेंगे। इसीलिए, मान्यवर, मैं अनुरोध कर रहा हूं कि इस संवेदनहीन सरकार को जब तक आप कड़े शब्दों में निर्देशित नहीं करेंगे, तब तक इस सरकार की समझ में आने वाला नहीं है।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): नहीं, नहीं। आप अपनी बात बोलिए।

श्री ईश दत्त यादव : आपके द्वारा सरकार को निर्देश होना चाहिए।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, यह जो जघन्य घटना हुई है, जिसका अभी जिक्र श्री अहलुवालिया जी ने किया, मैं समझता हूं कि उससे पूरा सदन दुखी है और यह दुख पहले ही प्रकट कर दिया गया था। ईश जी भी यह समझते हैं कि ऐसी घटना की कोई राजनीतिकरण की आवश्यकता नहीं है। हर कोई यह भी जानता है कि त्रिपुरा एक बोर्डर स्टेट है और काफी तेजी से वहां पर आतंकवाद चल रहा है। जहां तक आतंकवादियों का सवाल है, उनकी गतिविधियां जैसी की और बोर्डर स्टेटस में है, वैसी त्रिपुरा में भी चल रही है। इसीलिए वहां की जो समस्याएं हैं, उनके प्रति मैं समझता हूं कि जब ईश जी की सरकार थी, वह भी सतर्क रही, जब चुनाव हुए, उस समय भी मैं समझता हूं कि हमारे नीलोत्पलु बसु जी जिस सरकार की मदद कर रहे थे वह वहां पर थी, कांग्रेस उसकी मदद कर रही थी। इस समय वहां पर वस्तुस्थिति क्या है, यह जानने के लिए कुछ समय चाहिए क्योंकि वहां एक चुनी हुई सरकार है। केवल वही बात, जो कि अगर टी०वी० पर यह रेडियो पर आ जाय, वहीं कह दी जाए, मैं समझता हूं कि वह अपर्याप्त होगी। ...(व्यवधान)

श्री एस०एस० अहलुवालिया: टी०वी० पर बात आ गई है।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): उनको बोलने दीजिए। आप अपनी बात कह चुके। उनके पास जो इंफारमेशन है, उनकी इंफोरमेशन की बात उन्हें भी करने दीजिए।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: सरकार से आप चाहेंगे कि अगर विस्तार से न हो तो अधिकृत सूचना राज्य सरकार से संपर्क स्थापित कर यहां सदन के सामने प्रस्तुत की जाए, तो मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि वही प्रयास सरकार कर रही है और जैसा आपने प्रारंभ में कहा, वही हमारे लिए आपका आदेश, आपका निर्देश है। मैं समझता हूं कि यह आपका निर्देश अपने में एक बड़ा सख्त निर्देश है।...(व्यवधान)...

SHRI S. S. AHLUWALIA: Is he assuring this to the House on behalf of the Cabinet?

उपसभाध्यक्ष श्री सनातन बिसि: आप क्यों बीच में बोलते हैं? अहलुवालिया जी, आप क्यों बोल रहे हैं?...(व्यवधान)...अब आप क्यों खड़े हो गए।...(व्यवधान)...आप बैठिए भी।...(व्यवधान)...

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: अहलुवालिया साहब पूरे बिहार की जनता की तरफ से, पूरे बिहार की तरफ से बात कर सकते हैं तो हम कम से कम अपनी सरकार की तरफ से तो कुछ बात कर सकते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री एस० एस० अहलुवालिया: मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं।...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष श्री सनातन बिसि: आप बैठिए। आप बैठिए, मैं बोल रहा हूं। ... (व्यवधान) ... बैठिए। ... (व्यवधान) ... बैठिए। ... (व्यवधान) ... हम जानते हैं। ... (व्यवधान) ... आप बैठिए। मैं बोल रहा हूं उसके बारे में। ... (व्यवधान) ... आप बैठिए, । ... (व्यवधान) ... आप बैठिए, न। मैं बोल रहा हूं। ... (व्यवधान) ...

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: अहलुवालिया साहब का गुस्सा देखकर मुझे बड़ा डर लगता है और मेरी भी इच्छा होती है कि कुछ न कुछ उनको शांत किया जाए।...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष श्री सनातन बिसि: आप बैठिए।...(व्यवधान)...मैं बोलना यह चाहता हूं कि जो इसके परव्यू में आता है, उसी परव्यू में अपनी बात आप कीजिए।...(व्यवधान)...

Please take your seat. Why are you standing? आप क्यों खड़े हो गए?...(व्यवधान)...

श्री एस० एस० अहलुवालिया: ट्रेजरी बेंचेज की तरफ से भी खड़े हो जाते हैं।...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष श्री सनातन बिसि: आप क्यों खड़े हो रहे हैं? आपको करेक्ट रिप्लाई मिलेगा ... (व्यवधान) ... आप विश्वास कीजिए आपको रिप्लाई मिलेगा...(व्यवधान) ... मैडम, आपकी क्वेश्चनिंग में...(व्यवधान) आनंदीबेन जी, आपका नाम है, आप बैठिए...(व्यवधान) सोलंकी जी आप बोलिए...(व्यवधान)

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI (Gujarat): Sir, the whole House is one at the sorry state of affairs prevailing there and is dismayed at the killing that has taken place there.

उपसभाध्यक्ष श्री सनातन बिसिः मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि आपकी जो नालेज है, आपकी जो इन्फारमेशन है, उसके अनुसार बोलिए। उससे इधर-उधर की बात मत बोलिए...(**व्यवधान**)

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: Mr. Ahluwalia's submission...

उपसभाध्यक्ष श्री सनातन बिसिः उनका नाम मत लीजिए...(**व्यवधान**) आप उनका नाम क्यों ले रहे हैं...(**व्यवधान**)

श्री एस०एस० अहलुवालियाः आप नाम क्यों ले रहे हैं?...(**व्यवधान**)

SHRI GOPALSINGH G. SOLANKI: His submission was heard by the hon. Minister. He stood up when the Minister was on his legs. *(Interruptions)*

उपसभाध्यक्ष श्री सनातन बिसिः अरे बैठिए न...(**व्यवधान**) मैं बोल रहा हूं उनको, बैठिए ना...(**व्यवधान**) प्लीज बैठिए...(**व्यवधान**)

श्री एस०एस० अहलुवालियाः आप क्या बोल रहे हैं...(**व्यवधान**) आप क्या बोल रहे हैं...(**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष श्री सनातन बिसिः आप बैठिए ना, प्लीज़ बैठिए...(**व्यवधान**) मैं बोलता हूं उनको...(**व्यवधान**) Please help me maintaining the order.

मैं यह बोलना चाहता हूं मेंबर लोगों को कि जो बात वे जानते हैं, वही बात आप बोलिए और ज्यादा एक्सट्रनुअस मैटर्स पर मत बोलिए। जितनी आपकी नालेज है, उसके अनुसार बोलिए। मंत्री का जो काम है, वह मंत्री करेगा, मेंबर का जो काम है वह मेंबर करेगा।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदीः उपसभाध्यक्ष जी, मिश्रा जी जानना चाहते हैं कि वे अपना भाषण जारी करें या कल आपकी सेवा में आएं...(**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष श्री सनातन बिसिः मैं कहूंगा उनसे, वे मेरे को बोलेंगे...(**व्यवधान**) सोलंकी जी, आप बोलिए।

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: Sir, I do respect the sentiments of the Chair so far as the question of expression of knowledge is concerned. But, I would say that the maintenance of law and order is within the perview of the State Government.

SHRI S.S. AHLUWALIA: You are wrong.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Please take your seat. You are not supposed to comment.

SHRI S.S. AHLUWALIA: He is giving a wrong information. He is misleading the House.

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: I am not misleading. The Government has taken note of what he has said.

श्री एस०एस० अहलुवालियाः ला ऐंड आर्डर पर बोलकर चला दिया। त्रिपुरा एक बार्डर स्टेट है। पैरा-मिलिट्री फोर्सेज वहां रखी गई हैं ला ऐंड आर्डर को कंट्रोल करने के लिए, ऐक्सट्रीमिस्ट्स को कंट्रोल करने के लिए...(**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष श्री सनातन बिसिः अहलुवालिया जी, आप बैठिए...(**व्यवधान**) आप सब क्यों खड़े हो जाते हैं...(**व्यवधान**)

श्री ईश दत्त यादवः सरकार तो खड़ी नहीं हो रही है। जब तक सरकार खड़ी नहीं होगी, तब तक हम बोलते रहेंगे...(**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष श्री सनातन बिसिः दूसरे मेंबर्स हैं बोलने के लिए...(**व्यवधान**) आप लोग बैठ जाइए ...(**व्यवधान**) अहलुवालिया जी, कौन मेंबर किस ढंग से बोलेगा, उनको कांस्टीट्यूशनल नालेज है या नहीं, वह क्या बात करेगा, क्या नहीं करेगा, it is not for you to intervene

SHRI S.S. AHLUWALIA: But he should not give wrong information.

THE VICE-CHAIRMAN SHRI SANATAN BISI: But, who are you to say so?

किसी मेंबर को क्या नालेज है, अगर वह संविधान के विरुद्ध बोलेगा या एक्सट्रेनुअस मैटर्स बोलेगा तो हम उसको एक्सपंज करेंगे...(**व्यवधान**) it is within my right to expunge it, but you are not supposed to say so. उसको हम एक्सपंज कर देंगे...(**व्यवधान**)

SHRI S.S. AHLUWALIA: But he should not try to whitewash it. *(Interruptions)*

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि: आप क्यों खड़े हो रहे हैं...**(व्यवधान)**

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: हमारा एक चार्ज है उन पर...**(व्यवधान)**

श्री संजय निरुपम: (महाराष्ट्र): सबका ठेका आपने लिया हुआ है...**(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN SHRI SANATAN BISI: Please go to your seat. I have not allowed you. *(Interruptions)* Please take your seat.

और कौन चीजें एक्सटर्नल्स हैं, कौन चीजें इल-लीगल हैं हम जानते हैं, वह मैटर कट जाएगा प्रोसीडिंग में नहीं आएगा और कोई मेम्बर को We cannot teach them everything what they speak or what they should not speak.

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सर, आप एक्सपंज बाद में करेंगे अखबार में पहले छप जाएगा। अगर एक्सपंज करना है तो ऑन दि फ्लोर करिए...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): हमको प्रोसीजर के बारे में मत बोलिए Don't tell me about the precedure.

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: You have done your job.*(Interruptions)*

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): हम प्रोसीजर के बारे में जानते हैं। सोलंकी जी। I have four more names with me.

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: I have completed my speech.

श्री मोहम्मद मसूद खान (उत्तर प्रदेश): मैं बस दो बातें कहना चाहता हूं ज्यादा नहीं। महोदय, अहलुवालिया साहब को ट्रेजरी बैंच को शुक्रिया अदा करना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। ऐसी खबर...**(व्यवधान)**...

†[شری محمد مسعود خان: میں بس دو باتیں
بہنا چاہتا ہوں زیادہ نہیں - مہودے -
آہلووالیہ صاحب کو ٹریجری بیج کو شکریہ
ادا کرنا چاہیئے اور معافی مانگنا چاہیئے -
ایسی خبر ...]

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): कौन क्या करेगा आप मत बोलिए अपनी बात बोलिए।

श्री मोहम्मद मसूद खान: एक मिनट, ऐसी खबर सरकार को खुद दे देनी चाहिए थी किसी मेंबर को नहीं उठाना चाहिए था। आपसे खाली एक निवेदन है कि सरकार को निर्देशित कीजिए...**(व्यवधान)**...

†[شری محمد مسعود خان: ایک منٹ - ایسی
خبر سرکار کو خود دینی چاہیئے تھی کسی ممبر
کو نہیں اٹھانا چاہیئے تھا - آپ سے خالی
ایک نویدن ہے کہ سرکار کو تردیشت
کیجیئے ... "مداخلت" ...]

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): मैं क्या करूं आप मत बोलिए, आप अपनी बात बोलिए।

श्री मोहम्मद मसूद खान: आप निर्देशित कीजिए कि ऐसी खबर किसी मेंबर को उठाने की जरूरत न पड़े, खुद वह हम लोगों को हाऊस में बता दिया करें। इतनी ऐसी चर्चा न हो यह ख्याल रखें और खास तौर से चतुर्वेदी साहब इसका जरूर ख्याल रखेंगे कि वह पहले से बतला दिया करेंगे हम लोगों को।

†[شری محمد مسعود خان: آپ تردیشت
کیجیئے کہ ایسی خبر کسی ممبر کو اٹھانے کی ضرورت
نہیں پڑے - خود وہ ہم لوگوں کو ھاؤس
میں بتا دیا کریں - اتنی ایسی چرچا نہ ہو -
یہ خیال رکھیں اور خاص طور سے چترویدی
صاحب اسکا ضرور خیال رکھیں گے کہ وہ
پہلے سے بتلا دیا کریں گے ہم لوگوں کو -]

श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल (गुजरात): एक बोर्डर स्टेट में ऐसी घटना घटे तो सरकार को यहां आकर खुद स्टेटमेंट देना चाहिए। अगर यह न हो तो यहां मेंबर

†[ ]Transliteration in Arabic Script

यह सवाल उठाएं तथा जो मंत्री जी यहां बैठे हैं उनको कहना चाहिए कि...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): मैडम, मंत्री जी क्या करेंगे हम बोलेंगे, आप मत बोलिए।

श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल: नहीं तो कौन बोलेगा?

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): वह हम बोलेंगे I will give the direction.

श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल: आपको भी नहीं कहना है, उनको भी नहीं कहना है तो फिर क्या? अगर ऐसी गंभीर बात पर बोलना ही न हो तो फिर क्या करना है वहां बैठकर...(व्यवधान)...सभी स्टेट के प्रतिनिधि हैं, हम स्टेट के बारे में नहीं बोलेंगे तो कौन बोलेगा?

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): नहीं-नहीं मैडम्, अपनी बात आप बोलिएगा What are your suggestions?

श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल: इस सरकार को आकर शाम तक स्टेटमेंट देना चाहिए—फैक्ट क्या है, कितने लोग मारे गए या पुलिस प्रोटेक्शन था या नहीं था और पैरा मिलेटरी फोर्स वहां क्या कर रही है, क्यों उठाई गई? अगर उनको मालूम न हो तो आजकल टेलीकम्युनिकेशन तो इतना स्पीडी है कि पांच मिनट में इस सरकार को सब बातें मिल सकती हैं। तो शाम तक आकर यहां स्टेटमेंट करें। इतनी ही मांग है हमारी। अगर यह मंत्री जी एक्सेप्ट कर लें तो किसी को कुछ बोलना नहीं है। अगर नहीं एक्सेप्ट करते हैं। तो बोलना होता है। आप अगर उनको बोल दीजिए तो कोई झगड़ा नहीं।

SHRI VYALAR RAVI (Kerala): Mr. Vice-Chairman, Sir, the murder of political activists and political leaders in the border State of Tripura is not a new thing. I admit that it is not a new thing. As everybody rightly put it, it is not a new thing. But the only thing is we are looking at it from a political angle. We should look at it from a national angle because it is a border State vulnerable to all kinds of terrorist activity. It is because of other areas of North East which prompted and intensified this kind of activity. So what I am requesting is the Minister should take certain steps to protect the life and property of the citizens as will as the Ministers. It should not be a mere statement. Though the Minister was under protection from para-military forces as well as from the local police, the Minister was attacked and killed. The life and property of the ordinary citizens are equally in danger. So, what I am suggesting, through you, to the Government—of course, a statement is welcome, it is necessary—is that they should review with the help of the State Government the steps that have been taken so far and what further steps should be taken by the State Government with the assistance of the Government of India to combat and contain this type of terrorist activity and to protect the life and property of the ordinary citizens. This is my submission.

श्रीमती चन्द्रकला पांडेय (पश्चिमी बंगाल): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, यहां बहुत सारी बातें हो चुकी हैं और ऐसी दुखद घटनाएं प्रायः बार्डर एरियाज़ जो हैं, वहां घटती हैं। मैं आपसे केवल इतना कहना चाहूंगी कि निर्देश दें, मंत्री महोदय यहां हैं, तीन मंत्री यहां हैं, ये हमें आश्वस्त कर दें। इससे अधिक मुझे और कुछ नहीं कहना है। धन्यवाद।

श्री गया सिंह (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, बहुत बातें कहीं गई हैं और मैं उनको दोहराना नहीं चाहता हूं। मैं केवल एक बात कहना चाहता हूं कि इतनी गंभीर घटना की सूचना माननीय सदस्य को है लेकिन सरकार को नहीं है। तो अभी भी समय है। फैक्स से पूरी रिपोर्ट मंगाई जा सकती है और हाऊस बंद होने से पहले यदि वह रिपोर्ट आ जाए और सरकार उसके अलावा, क्योंकि यह श्योरिटी नहीं है कि आज हुआ, कल नहीं होगा, वहां से जो पैरा मिलिटरी फोर्स को हटा लिया गया, वह जिस भी कारण से किया गया हो, उसकी व्यवस्था कैसे करेगी और क्या उपाय कर सकती है आगे के लिए, इसके बारे में सरकार की ओर से आपका आदेश आ जाए और वह स्टेटमेंट आ जाए, इतना ही मुझे कहना है।

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI RAM JETHAMALANI): Mr. Vice-Chairman, Sir, I am grateful to Mr. Ahluwalia for having raised this matter in the House. It is his right and his obligation to do so. And it is equally the obligation of a sensitive Government to take note of what he has said. The moment he

mentioned it, I got up and said that we would immediately make inquiries and report back to this House as soon as we were in a position to give you somemore information than what Mr. Ahluwalia has already been good enough to give us. I do not think that the House or any member of the House can deny that it is a very grave matter. It is a serious matter. But the gravity or the seriousness of the matter does not necessarily require that the sound level should be raised or the blood pressure should be raised. We are all here. I hope you understand our difficulties. Three Ministers sitting in this House are not strapped by some wires to every other Minister. The relevant Minister of the Government must have been informed. Supposing the Minister receives the information sitting in his chamber, what does he do immediately? He will immediately get into action and try to ascertain the facts so that he would be able to take some proper action, whether preventive action or punitive action or some other action. But, do you expect the Minister immediately, the moment he hears something, to run from his chamber, run to this House, run to the other House, like headless chicken, to come forth and make some kind of statement? Please understand that a responsible Government will make enquiries and after enquiries, ascertain the facts. But I cannot promise as my learned friends here said—"You tell us who is responsible". It requires a detailed inquiry into the facts. It requires, probably, looking into the evidence, hearing more than one person. And we cannot straightway usurp the functions of a duly elected Government there. But I agree that it is a sensitive State, it is a border State and the Centre has a role to play. But Mr. Ahluwalia and all Members of this House should feel assured that the Government will not be wanting in any measures which are necessary to meet this menace, either this specific menance or the menance in general. We will report back to the House the moment we are ready. ...*(Interruption)*.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Today.

SHRI RAM JETHMALANI: We should be ready to tell you something which is important. *(Interruptions)*.

SHRI S.S. AHLUWALIA:*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Mr. Ahluwalia, please sit down. *(Interruptions)*. It will not go on record. What Mr. Ahluwalia says will not go on record.

SHRI RAM JETHMALANI: The relevant Minister of the government will know. If you have any pleasure in saying that the Government does not know, you are welcome to say that. But I can only tell you that the relevant Minister would know and I am sure that the relevant Minister already must have acted.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Shri Janeshwar Misra.

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS—CONTD.

श्री जनेश्वर मिश्र: उपसभाध्यक्ष महोदय, मुझे बेहद पीड़ा है कि महामहिम राष्ट्रपति महोदय के भाषण का जो अंश लेकर मैं चर्चा उठा रहा था कि प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित महसूस करने और भयमुक्त रहने का अधिकार है, उसी समय अहलुवालिया जी ने यह बात छेड़ दी कि एक राज्य सरकार का स्वास्थ्य मंत्री कत्ल कर दिया गया। एक तरफ तो राष्ट्रपति जी हम लोगों को संबोधित करते समय कहे कि देश का हर नागरिक भयमुक्त जिंदगी जीएगा।

और दूसरी तरफ हम ही लोगों के बीच से—हफ्ता भर भी उस भाषण को न गुजरा हो—तब तक कोई न कोई उठा लिया जाए, यह बहुत ही तकलीफ और क्षोभ की बात है। मैं नहीं जानता की सरकार ने जब राष्ट्रपति जी के अभिभाषण के लिए यह वाक्य लिखने को कलम चलाई तो उस समय त्रिपुरा की स्थिति सरकार की निगाह में थी या नहीं। मैं तो बात उठा रहा था कि 20 करोड़ आबादी आपके सत्ता में आने के बाद दहशत में है और जिस मुल्क में 20 करोड़ या 25 करोड़ लोग भययुक्त जिन्दगी जी रहे हों, सरकार आपकी जैसी भी चलती हो, वह कौम मजबूत नहीं बन सकती है। उसका बहुत बड़ा नुकसान हो जाएगा। उन लोगों को आश्वस्त करने के लिए क्या कदम उठाने जा रहे हैं, उनके दिलों में जो चोट

*Not recorded.